SANT LAL RAVAT, (Asstt Prof.)
Deptt. of Education, N.A.S.

M.Ed. II Sem.

UNIT-V Paper CC-7 (Perspective, Research and Issues in teacher Education:-

Trends in Teacher education;

Set. II - Teacher education Through distance mode

interegation of ICT in teacher Education

दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षक शिक्षा :- शिक्षा की वह प्रणाली है जिसमें शिक्षक व शिक्षार्थी को स्थान विशेष पर उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं होती। यह प्रणाली अध्यापन तथा शिक्षण के तौर-तरीकों तथा समय निर्धारण के साथ-गुण वक्ता संबन्धी अपेक्षाओं से समझौता किये बिना प्रवेश मापदण्डों के सम्बन्ध में भी उदार है।

भारत की मुक्त (खुला) तथा दूरस्थ शिक्षा में I राज्यों के मुक्त विश्वविद्यालय शिक्षा प्रदान करने वाली संस्थाऐं तथा विश्वविद्यालय शामिल है। UGC - 1956-1960 सायंकालीन महाविद्यालय, पत्राचार

दिल्ली विश्वविद्यालय - 1962 में पत्राचार पाठ्यक्रम
- 1970 का दशक में पत्राचार पाठ्यक्रमों का विकास ->
- 1980 सरकार ने मुक्त विश्वविद्यालय
- 1982 - हैदराबाद में B R Ambadakar Open Uni.
- 1985 दिल्ली में इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
- 1987. कई राज्यों में मुक्त विश्वविद्यालय खुले
-> 1999 - UPRTOU प्रयागराज में मुक्त विश्व.
-> 2013 - UGC द्वारा दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो की स्थापना -

Scanned by CamScanner

दूरस्थ शिक्षा की विशेषताएँ

- दूरस्थ शिक्षा में विद्यार्थी को नियमित तौर पर किसी संस्थान में जाकर पढ़ाई करने की जरूरत नहीं होती।
- सभी पाठ्यक्रमों के लिए क्लासों की संख्या तय होती है और देश भर के कई केन्द्रों पर उनकी पढ़ाई होती है।
- सूचना क्रांति और इन्टरनेट के कारण दूरस्थ शिक्षा और आसान एवं प्रासंगिक हो गयी है।
- विजुअल क्लासरूम लर्निंग, इंटरैक्टिव ऑनसाइट लर्निंग और वीडियो कांफ्रेंसिंग के ज़रिए विद्यार्थी देश के किसी भी राज्य में रहकर घर बैठे पढ़ाई कर सकते हैं।
- विद्यार्थी अपनी आवश्यकता के अनुसार अपने पढ़ने की समय-तालिका बना सकते हैं।

Scanned by CamScanner

- कम खर्चीली - दूरस्थ शिक्षा से पढ़ाई करने की फीस काफी कम है।
- सर्वसुलभ - विद्यार्थियों की संख्या की कोई सीमा नहीं
- काम (जॉब) करने के साथ-साथ पढ़ाई की जा सकती है।
- कम अंक आने पर भी मनपसंद कोर्स में दाखिला मिल जाता है।
- किसी भी कोर्स के लिए उम्र बाधा नहीं होती है।
- दूरस्थ शिक्षा में सबसे महत्वपूर्ण कार्य 'पाठ्य सामग्री तैयार करना' है। इसमें शिक्षक सामने नहीं होते। इसलिए पाठ्य सामग्री ही शिक्षक का काम करता है।
- साधारण कोर्स के साथ ही वोकेशनल कोर्स तथा प्रोफेशनल कोर्स भी दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से किये जा सकते हैं।

Scanned by CamScanner

- आजकल दूरस्थ शिक्षा के द्वारा विद्यार्थी ग्रेजुएट, एमफिल, पीएचडी, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट आदि सभी कोर्स कर सकते हैं।[1]
- **मान्यता** : पत्राचार से किए गए कोर्सों की मान्यता कहीं कम नहीं आंकी जाती। ये भी उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं जितने की रेग्युलर कोर्स।

सन्दर्भ

1. *दूरस्थ शिक्षा माध्यम है, तो कुछ ग़म नहीं*

इन्हें भी देखें

- मुक्त विश्वविद्यालय
- मुक्त अधिगम (ओपेन लर्निंग)
- राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
- इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
- मुक्त पाठ्यक्रम (Open course)

Scanned by CamScanner

बाहरी कड़ियाँ

- पत्राचार शिक्षा से बदलती युवाओं की तकदीर
- **दूरस्थ शिक्षा**: कई अवसर 'ओपन' हैं अब
- उच्चतर शिक्षा क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा से सम्बन्धित नई नीति
- राज्यपाल ने किया दूरवर्ती-व्यावसायिक शिक्षा के क्रन्तिकारी अभियान का शुभारंभ
- The International Association for K-12 Online Learning
- The United States Distance Learning Association
- An Instructional Media Selection Guide for Distance Learning , an official publication of the United States Distance Learning Association

Scanned by CamScanner

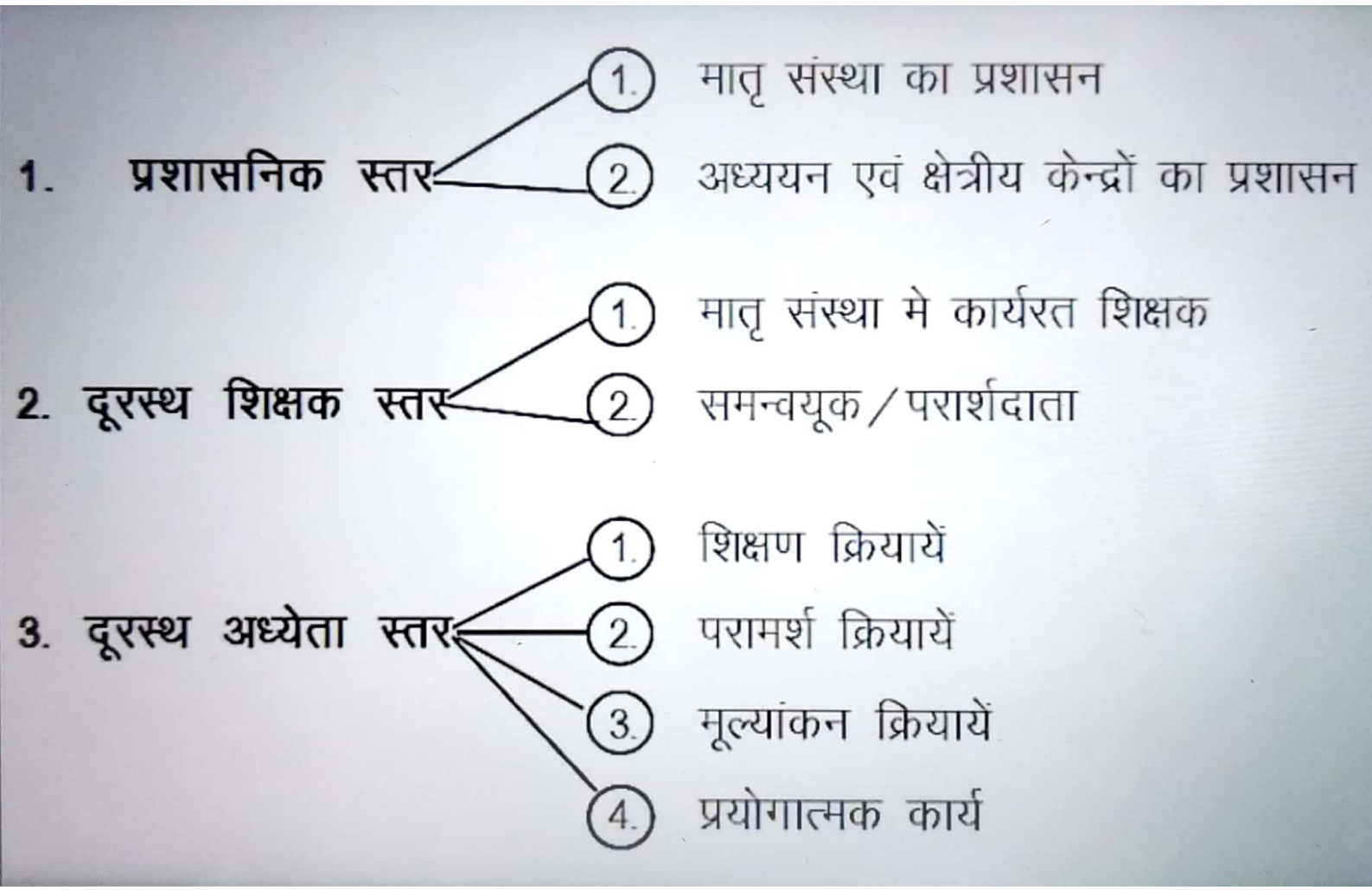

1. **प्रशासनिक स्तर**
   1. मातृ संस्था का प्रशासन
   2. अध्ययन एवं क्षेत्रीय केन्द्रों का प्रशासन

2. **दूरस्थ शिक्षक स्तर**
   1. मातृ संस्था मे कार्यरत शिक्षक
   2. समन्वयूक / परार्शदाता

3. **दूरस्थ अध्येता स्तर**
   1. शिक्षण क्रियायें
   2. परामर्श क्रियायें
   3. मूल्यांकन क्रियायें
   4. प्रयोगात्मक कार्य

Scanned by CamScanner